ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला आयोजित

नवभारत न्यूज

चित्रकूट,18 जून, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आज समापन हुआ ।समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफ़ेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमो के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र है।इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए।

कार्यशाला के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकेल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया ।कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया । कार्यशाला का आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्रा, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया

दैनिक आधुनिक राजस्थान

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का समापन हुआ ।समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफ़ेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को

साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमो के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र है।

इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यशाला के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकेल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया ।कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया । कार्यशाला का आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्रा, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आज समापन हुआ ।समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमो के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र है। इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यशाला के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकेल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया ।कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया । कार्यशाला का आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्रा, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

बांदा

समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी-एसटी के समूहों को

हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है-श्याम प्रसाद

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

■ चित्रकूट, (नि.प्र.)।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके।

इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी-एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमो के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र है।

इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ.रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए। कार्यशाला के समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकेल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग के द्वारा किया गया। कार्यशाला का आयोजन दायित्व डॉ.अजय आर चौरे, डॉ.जयशंकर मिश्रा, डॉ.सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

ग्रा.वि. की बीएलएड, बीएड, एमए, परीक्षाओ का परिणाम घोषित

चित्रकूट, (नि.प्र.)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बीएलएड ; सत्र2018-22 बीएड व एमएड ;सत्र 2020-22 पाठ्यक्रम का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित होने के कारण ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रदेशों में निकली शिक्षक भर्ती में आवेदन का सुअवसर उपलब्ध हो गया है। कुलपति प्रो.भरत मिश्रा ने शिक्षा स्नातकध्मरास्नातक पाठ्यक्रमों में सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल कैरियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षाएसमय पर परीक्षा और प्राथमिकता के साथ परिणाम घोषित करने के कारण ही उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उज्ज्वल कैरियर चुनने के लिए मौका मिल सका है। परीक्षा नियंत्रक डॉ ललित कुमार सिंह ने परिणाम की आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि सीएसएससी के संयोजक डॉ बाई के सिंह द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट व नोटिस बोर्ड में परिणाम प्रदर्शित कर दिया गया है। प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े डॉ श्याम सिंह गौर ने बताया कि यह बड़े गौरव की बात है कि अनेक विश्वविद्यालय अभी तक शिक्षा स्नातक कार्यक्रमों के अंतिम सत्रध्वर्ष की पढ़ाई प्रारंभ नही कर सके जबकि ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिया।

तिघरा पाठा के ग्रामीण आज भी मूलभूत से मुख्य मार्ग तक आते है। पहुचने मे कड़ी मशक्कत करना पड़

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला आयोजित

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आज समापन हुआ समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमो के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए।

तीन दिवसीय कार्यशाला में वक्ताओं ने रखे विचार

'देश में ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करेगा समरसता पाठ्यक्रम'

पत्रिका plus रिपोर्टर

चित्रकूट. महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आइटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. भरत मिश्र ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नानाजी के सपना को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है।

इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बीआर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकासखंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी -एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रो. डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मथुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद शामिल हुए। आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अमरजीत सिंह निदेशक सीएमसीएलडीपी एवं डीन फैकेल्टी आफ मैनेजमेंट ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर वीरेंद्र व्यास प्राध्यापक पत्रकारिता विभाग, आयोजन दायित्व डॉ अजय आर चौरे, डॉ जयशंकर मिश्र, डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के आईटी सभागार में तीन दिवसीय समरसता पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ ।समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रोफ़ेसर भरत मिश्रा ने कहा कि निश्चय ही समरसता का यह पाठ्यक्रम नाना जी के सपनों को साकार करने वाला पूरे देश का एक अनूठा पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के समस्त प्रावधानों को समाहित किया गया है। छात्र को कौशल प्रदान करने के लिए भी इस पाठ्यक्रम में व्यवस्था की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने कहा कि यह पाठ्यक्रम 313 विकास खंडों में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के

सहयोग से संचालित किया जाने वाला विश्वविद्यालय का ऐसा पाठ्यक्रम है जो ग्रामोदय की अवधारणा को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम के द्वारा सच्चे अर्थों में ऐसे नेतृत्व का निर्माण होगा, जो गांव में सतत विकास लक्ष्य की पूर्ति के लिए मददगार साबित हो सके। इस अवसर पर समरसता के राष्ट्रीय विचारक के श्याम प्रसाद ने कहा कि समरसता समाज के पीड़ित एवं उपेक्षित एससी - एसटी के समूहों को हिंदू समाज का अभिन्न अंग बनाने की प्रक्रिया है। वास्तव में संविधान में जिस संता और बंता का प्रावधान किया गया है, उसकी प्राप्ति का सही रास्ता समरसता ही है। समरसता पाठ्यक्रम मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास में विशेषज्ञता सहित पाठ्यक्रम के वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। वैकल्पिक विषय में सामाजिक समरसता के भी पांच प्रश्न पत्र है। इस अवसर पर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय औरंगाबाद के प्रोफेसर डॉ रमेश पांडे पांडव, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर चंद्रकांता मधुर, भोपाल से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ गोपेश बाजपेई एवं समरसता के राष्ट्रीय संयोजक के श्याम प्रसाद भी विगत 3 दिनों से इस कार्यशाला में रह कर पाठ्य पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल हुए।